जैविक खेती क्या है ? इसके लाभ क्या है, तथा जैविक और पारम्परिक खेती में क्या अन्तर है ? (360 words)

जैविक खेती :- जैविक खेती एक ऐसी पद्धति है, जिसमें दीर्घकालीन व स्थिर उपज प्राप्त करने के लिये कारखानों में निर्मित रासायनिक उर्वरकों कीटनाशकों तथा खरपतवारों का प्रयोग न करते हुये जीवांशयुक्त खाद (गोबर की खाद-कम्पोस्ट, हरी खाद, जीवाणु कल्चर या केंचुआपालन, जैविक खाद) आदि), जैवनाशियों (बायो-पैस्टीसाइड) व बायो एजेन्ट, जैसे - फ्राइसोपा आदि का उपयोग किया जाता है जिससे न केवल भूमि की उर्वरा शक्ति लम्बे समय तक बनी रहती है, बल्कि पर्यावरण भी प्रदूषित नहीं होता तथा कृषि लागत घटने व उत्पाद की गुणवत्ता बढ़ने से कृषक को भी अधिक लाभ मिलता है।

सन् 1990 के बाद से विश्व में जैविक उत्पादों का बाजार काफी बढ़ा है।

जैविक खेती के लाभ :- जैविक खेती के लाभ निम्नलिखित है -

I) किसानों को लाभ :-

(1) बाजार में जैविक उत्पादों की मांग बढ़ने से किसानों की आय में वृद्धि होती है।
(2) फसलों की उत्पादकता में वृद्धि होती है।
(3) रासायनिक खाद पर निर्भरता कम होने से लागत में कमी आती है।
(4) सिंचाई अंतराल में वृद्धि होती है।
(5) भूमि की उपजाऊ क्षमता में वृद्धि हो जाती है।

II) मिट्टी की दृष्टि से :-

(1) जैविक खाद का उपयोग करने से भूमि की गुणवत्ता में सुधार आता है।
(2) भूमि की जलधारण क्षमता बढ़ती है।
(3) भूमि से पानी का वाष्पीकरण कम होता।

III) पर्यावरण सुरक्षा :-

(1) मिट्टी, खाद्य पदार्थ और जमीन में पानी के माध्यम से होने वाले प्रदूषण में कमी आती है।
(2) भूमि के जलस्तर में वृद्धि होती है।

पर्यावरण संरक्षण आज एक ऐसा मुद्दा है, जिस पर हम सभी को गहन चिंतन करने की जरूरत है। अतः जैविक खेती करके किसान अपने स्तर पर पर्यावरण को संरक्षित करने में अपना जरूरी योगदान दे सकता है।

(IV) अच्छे स्वास्थ्य के लिये :- पारम्परिक कृषि करने से जो फसल उगती है, उसमें अनेक प्रकार के हानिकारक तत्व होते है, जो मनुष्य के शरीर में प्रवेश करते है, जिससे मानव अनेक तरह की बीमारियों से ग्रसित हो जाता है, वहीं दूसरी ओर जैविक कृषि से उत्पन्न फसल अच्छे स्वास्थ्य के लिये लाभकारी होती है।

v) कम पैसा :- जैविक कृषि करने में लागत कम आती है।

• जैविक खेती तथा पारम्परिक खेती में अन्तर

⇒ जैविक खेती (Organic farming)

(1) जैविक खेती से रसायन का उपयोग कम से कम किया जा सकता है।
(2) जैविक खेती जीव विविधता को बढ़ावा देती है।
(3) जैविक खेती की तकनीकों का इस्तेमाल करने से मृदा की सेहत में सुधार होता है।
(4) जैविक खेती में लागत भी कम है।

⇒ पारम्परिक खेती (Conventional farming)

(1) पारम्परिक खेती में कृत्रिम रसायन एवं अन्य पदार्थों का इस्तेमाल कीटनाशक के रूप में होता है।
(2) पारम्परिक खेती में उत्पादन की लागत काफी कम है, इसलिये किसान अधिक फसलों का उत्पादन करने में सक्षम होते हैं।
(3) पारम्परिक खेती में इस्तेमाल होने वाले कीटनाशक मनुष्य के जीवन एवं उसकी सेहत को भारी नुकसान पहुँचा सकते हैं।

निष्कर्ष :- जैविक खेती रासायनिक कृषि की अपेक्षा सस्ती व स्थायी होती है। इसमें मिट्टी को एक जीवित माध्यम माना गया है, भूमि का आहार जीवांश होता है। जीवांश गोबर, पौधे व जीवों के अवशेष आदि को खाद के रूप में भूमि को प्राप्त होते हैं।

Excellent!